B.A. (Honours) Examination, 2018
Semester-I (CBCS)
Hindi (Honours)
Course : CC-2
(मध्यकालीन कविता)

Time : 3 Hours **Full Marks : 60**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×8=24

(क) राम नाम कै पटतरे, देबे कौ कुछ नाँहिं।
क्या ले गुर संतोषिए, हौंस रही मन माँहि।।
तूँ तूँ करता तूँ भया, मुझ मैं रही न हूँ।
वारी फेरी बलि गई, जित देखौं तित तूँ।।

(ख) हमारे निर्धन के धन राम।
चोर न लेत, घटत, नहि कबहूँ, आवत गाढैं का।
जल नहिँ बूड़त, अगिनि न ढाहत, है ऐसों हरि नाम।
बैकुँठनाम सकल सुख-दाता, सूरदास-सुख-धाम।।

(ग) तेरे बेसाहे बेसाहत ओरनि, और बेसाहि के बेचनहारे।
व्योम रसातल भूमि भरे नृप कूर कुसाहिब सें तिहुँ खारे।।
'तुलसी' तेही सेवत कौन मरै? रज तें लघु को करै मेरु तें भारे।
स्वामी सुसील समर्थ सुजान सो तोसों तुहीं दसरत्थ-दुलारे।।

(घ) आली री म्हारे णेणाँ बाण पड़ी।।
चित्त चढ़ी म्हारे माधुरी मूरत, हिबड़ा अणी गड़ी।
कब री ठाड़ी पंथ निहाराँ, अपन भवण खड़ी।
अटक्याँ प्राण साँवरो प्यारो, जीवण मूर जड़ी।
मीराँ गिरिधर हाथ बिकाणी, लोग कह्याँ बिगड़ी।।

(ङ) सतगुर की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार।
लोचन अनँत उघाड़िया, अनंत दिखावणहार।।
मेरा मन सुमिरै राम कूँ, मेरा मन रामहिं आहि।
अब मन रामहिं ह्वै रह्त्या, सीस नवावौं काहि।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×12=36

(क) कबीर के काव्य की विशिष्टताओं को रेखांकित कीजिए।
(ख) 'कवितावली' के उत्तरकांड के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
(ग) पठित कविताओं के आधार पर मीराँ के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।
(घ) सूरदास के काव्य सौन्दर्य पर विचार कीजिए।
(ङ) सूरदास के 'विनय' संबंधी पदों की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।